

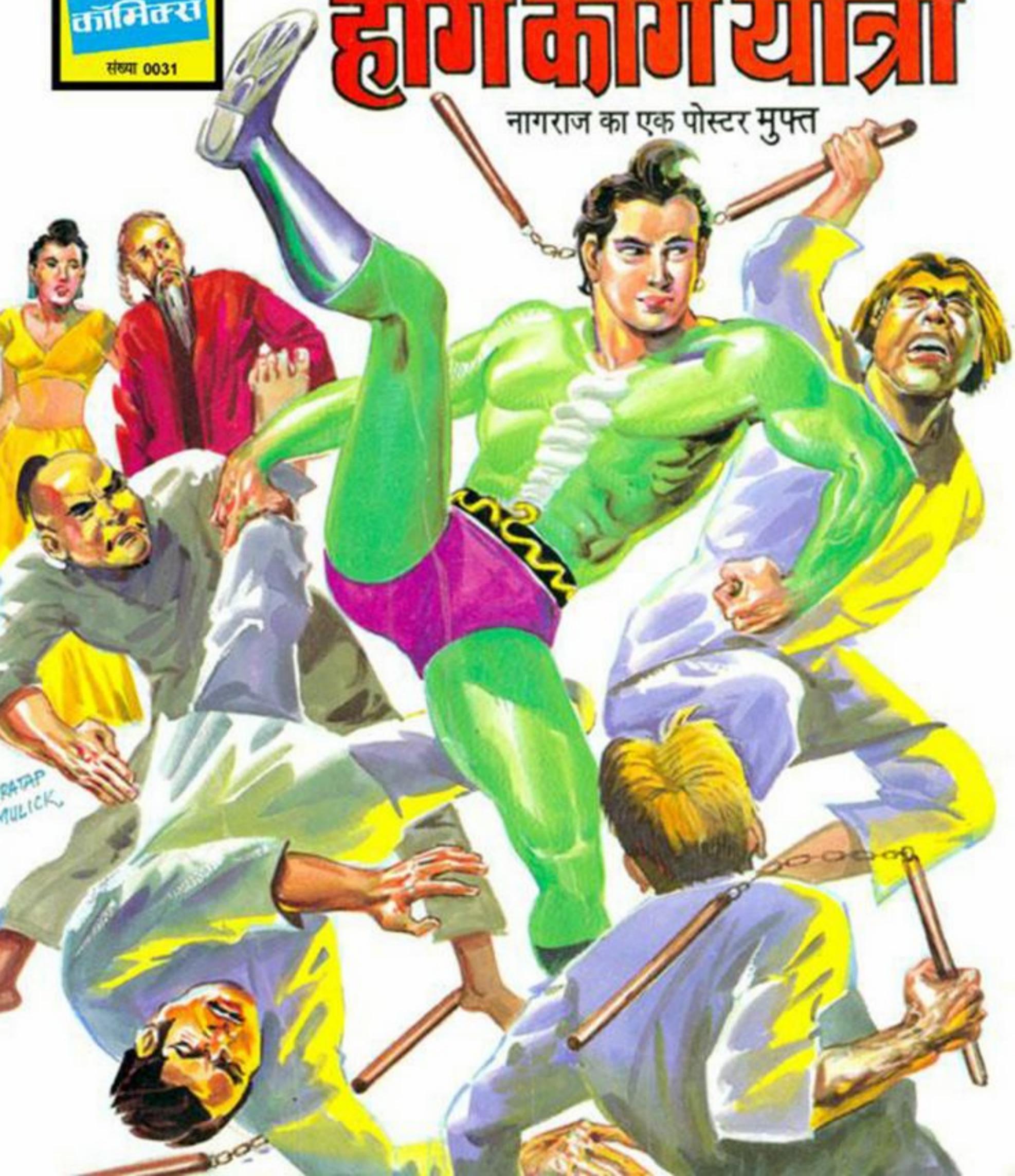
राज

कॉमिक्स

संख्या 0031

नागराज की हाँगकाँग यात्रा

नागराज का एक पोस्टर मुफ्त



संजय गुप्ता पेश करते हैं...

नागराज़ की हाँगकांग आत्रा

लेखक : परशुराम शर्मा
चित्रांकन : संजय अष्टपुत्रे
सम्पादक : मनीष गुप्ता

नागराज आतंकवादी गिरोहों की तलाश में विश्व-भ्रमण पर निकल पड़ा।



प्लेन में—

हेलो! माई सेल्फ मिस्स नाकाशी!

कृपया ब्रपनी सीट बेल्टें बाथ लॉ विमान उड़ान के लिए तैयार हो।

बैठिए!

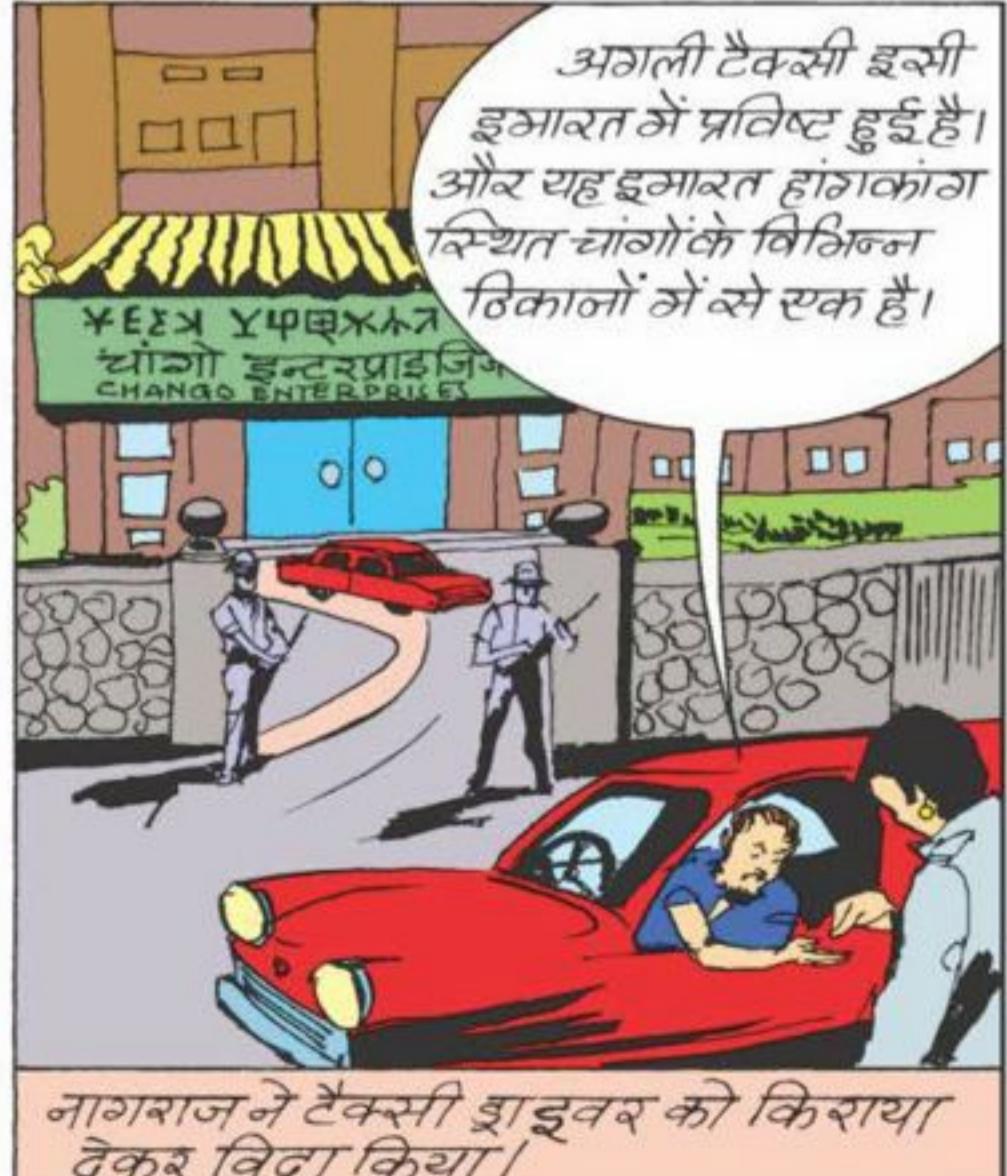
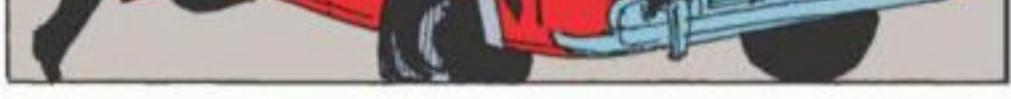
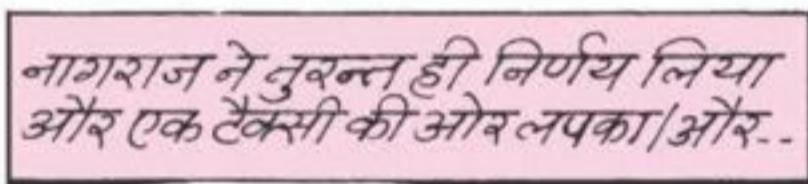


हाँगकांग होकर लोकियो जानेवाले एयर इण्डिया के बोइंग 747 ने निश्चित समय पर उड़ान भरी।



चोंगो के आतंकवादियों द्वारा सिल्वरलैंड के किंग नोकामा की हत्या... शजकुमारी नाकाशी बचकर भागने में सफल...

??



नारेश राज की नजरों से इंटरप्राइज समोहित साहो गया - वह कुछ पूछ भी न सका।

नागराज की हांगकांग यात्रा



फूरस



वाज कॉमिक्स



नागराज ने उसे सम्मोहित कर दिया।

इस इमारत में एक लड़की को एयरपोर्ट से लाया गया है, वह इस वक्त कहा है?

मुझे नहीं मालूम!

फिर किसे मालूम है?

यह सारी जानकारी कंद्रोल रूम से मिल सकती है, कंद्रोल रूम दसवें फ्लोर पर है।

तो फिर तुम मेरे किसी काम के नहीं...

फूरस

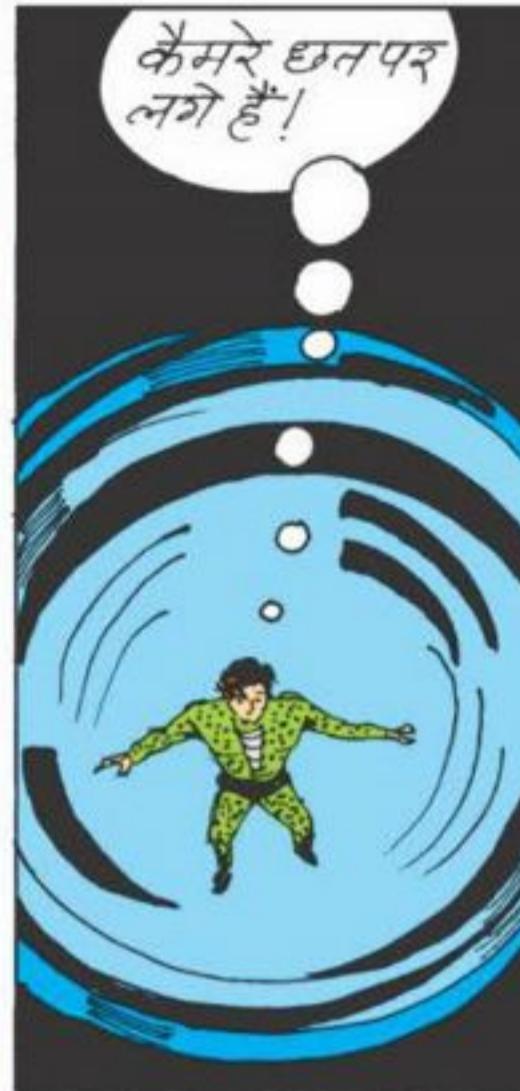
दसवें फ्लोर पर पुंछते ही नागराज का श्वागत किया गोलियोंने!

टा.टा.टा.

दसवा फ्लोर!



नागराज की हांगकांग यात्रा





नागराज की हांगकांग यात्रा



इंचार्ज ने आदेश का पालन किया और वही कहा जो नागराज ने उससे कहने को कहा था!

स्थिति नियंत्रण में है... सब ठीक है... आपसी गलत फहमी के कारण गोली चल गई थी... तुम सब अपने अपने कामों में लग जाओ... हां-हां किसी को तलाश करने की ज़रूरत नहीं- सब ठीक है।



संदेश हर मंजिल पर मोजूद चांगों के साथियों तक पहुंच गया।



हमारा बौस। इशिया का सबसे बड़ा गैंगस्टर है! किन्तु किसी भी देश की पुलिस के पास उसके रिविल्फ ऐसा कोई सबूत नहीं है कि उसे गिरफ्तार कर सके।





टी.वी. स्क्रीन पर नागराज ने मिस ताकादी को चांगो इंटरप्राइजिज के फाटक से बाहर निकलते देखा।



नागराज की हँगकांग यात्रा

जौर फिर स्विडकी की राह से-



कम्पाउंड में एक टैक्सी रवड़ी थी- जिसके निकट दो स्टेनगनधारी पहरेदार भी थे। उनकी नजर जैसे ही

नागराज पर पड़ी

अरे!

वह क्या है मिंग?

पता नहीं।
गोली चलाएं?



मगर पहरेदार कुछ भी नहीं कर सके। नागराज की फुंकारने उच्छ्वें....



... पहले ही बेहोश कर दिया।

जौर फिर-

यही वह टैक्सी है जिसमें मिस ताकाशी को यहां तक लाया गया था, इदिवर चांगो का ही कोई आदमी रहा होगा।

कौन है?

रोको!



बाहर निकलते ही उसने सड़क के किनारे रवड़ी राजकुमारी ताकाशी के पास टैक्सी कोक ही।

मिस ताकाशी

फॉरन इस टैक्सी में आ जाइए!

कौन हो तुम,
मुझे कैसे जानते हो? अरे! तुम तो...

लेकिन नागराज ने पहरेदारों के प्रश्न का उत्तर दिया अपनी जहरीली फुंकारों से-

फरस

आह!

और अगले ही पल वह चांगो इंटरप्राइजिन की इमारत से बाहर आ।

नागराज को पहचानते ही राजकुमारी टैक्सी में बैठ गई।

थोड़ी देर बाद—

आपने ठीक पहचाना-- हम प्लेन में सहयात्री थे।

तुम्हारी पोशाक ??

मैं बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाकर भागने में सफल हुई हूँ- मुझे कोलून जाना है... वहाँ मेरे पिता का मित्र सुजुकी है- जो मुझे चांगो से बचा सकता है- और उसकी तथा उसके घेले शागो की मदद से शायद मैं फिर से अपना राज्य हासिल कर लूँ।

इस समय सिर्फ काम की बात! यह बताइए आप हांगकांग क्यों आई हैं? और चांगो के साथियों चांगो के ने आपका अपहरण क्यों किया था? मेरे पिता किंग आफ सिल्वर लैण्ड की हत्या कर दी गई हमारे राज्य में चांगो का छोटा गुर्गा डिक्टेटर बन गया है।

मगर कोलून पहुंचने से पहले ही-

ओह! पेट्रोल रूल्म!

समुद्री किनारा पास ही है। वहाँ तक का मार्ग चैल तय कर लेते हैं।

तुम लोग इनमें से जिस गाड़ी में बैठना चाहो, बैठ सकते हो।

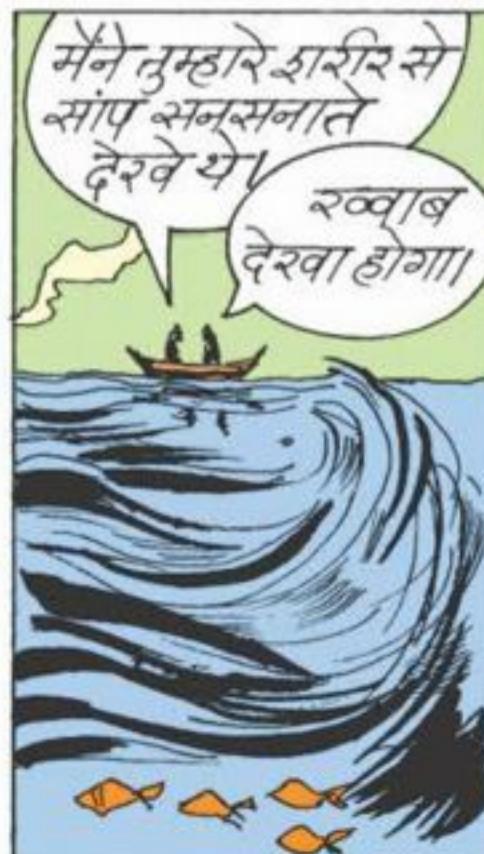
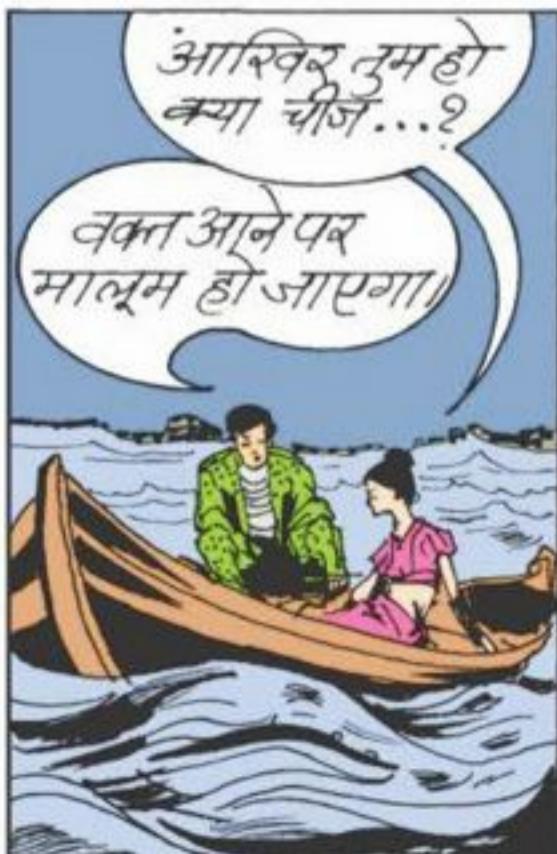
लेकिन क्यों और हमें कहाँ ले जाना चाहते हो।

हम तुम्हें स्वर्ग का रास्ता दिखाएंगे

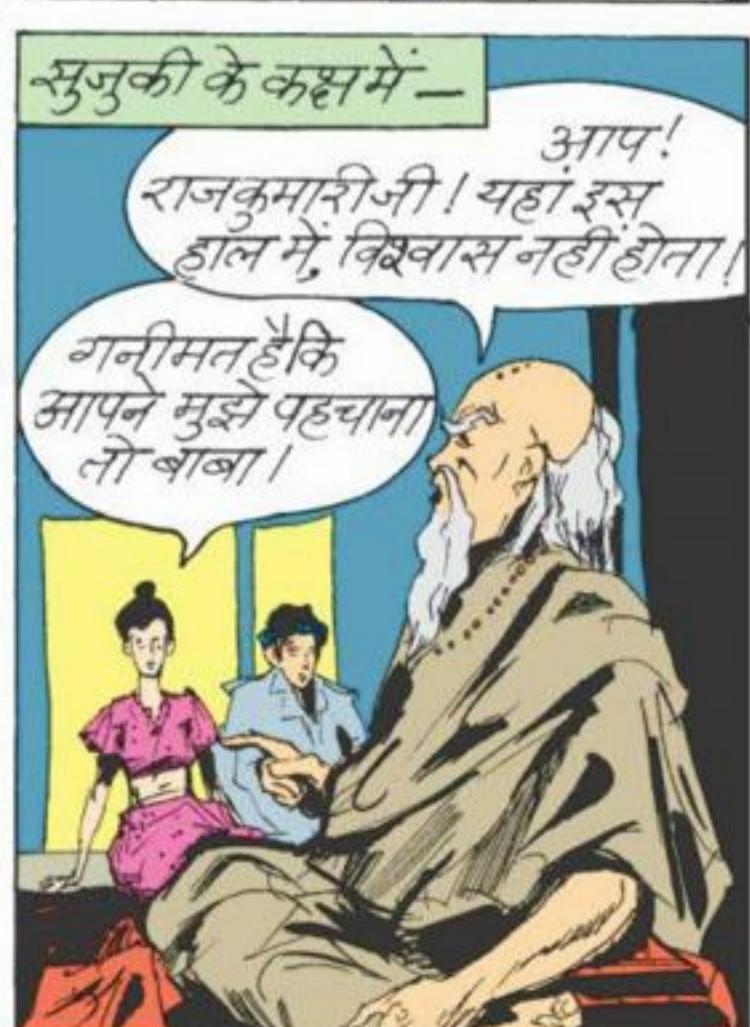
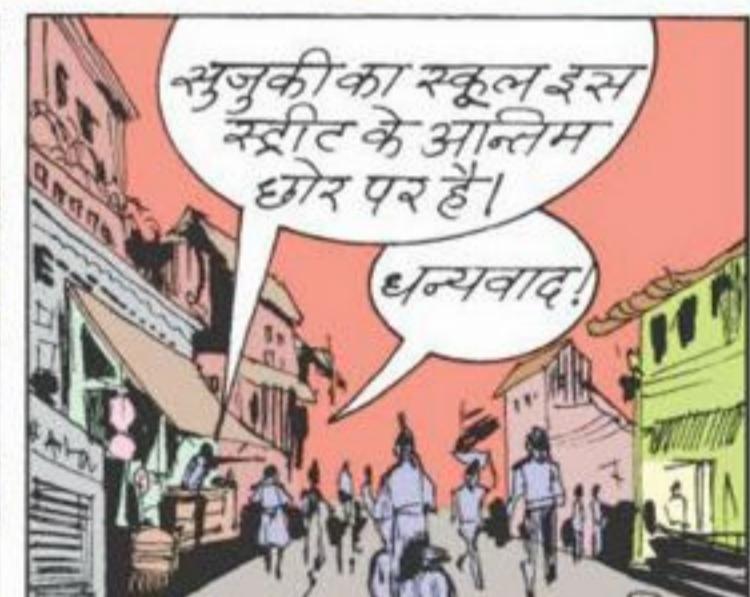
लेकिन मैं तुम्हें न का रास्ता दिखा सकता हूँ।

लगता है चांगो के चमचों को जल्दी ही होड़ा आ गया।

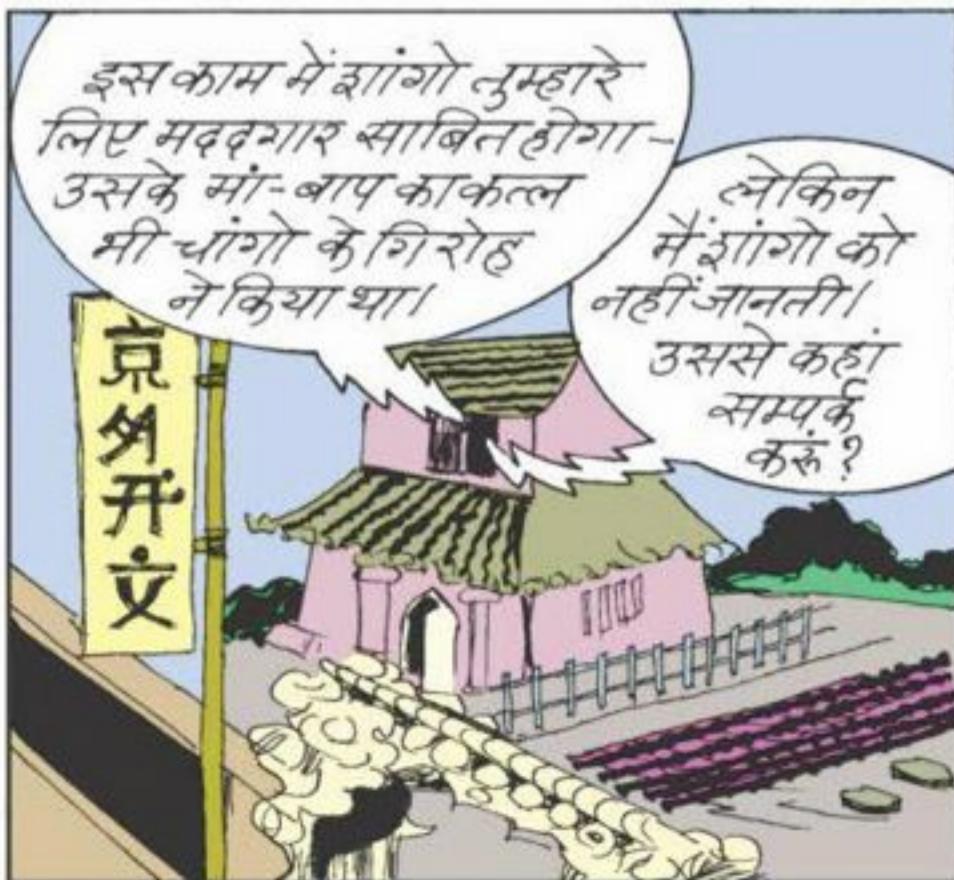
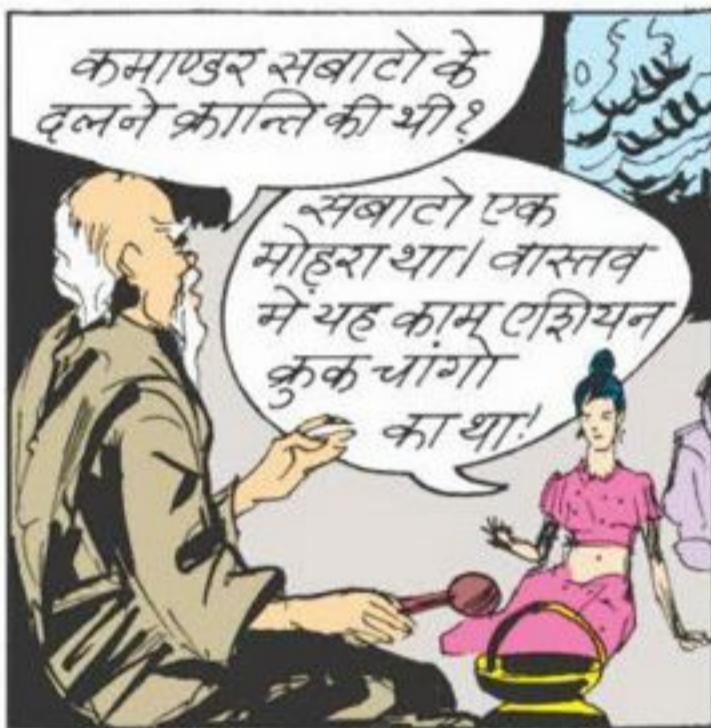
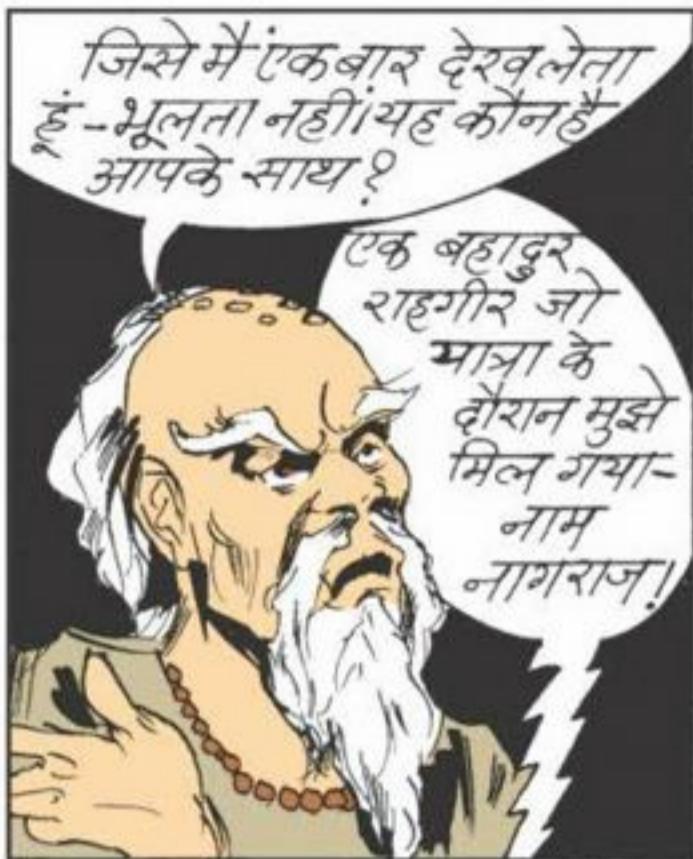


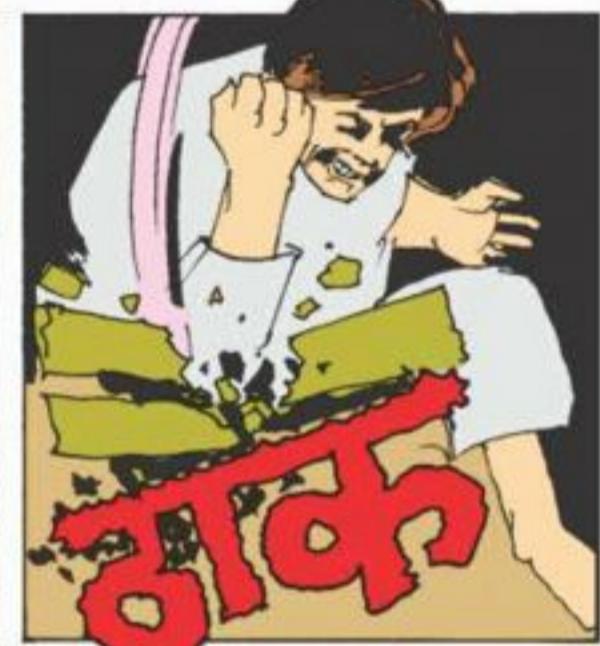
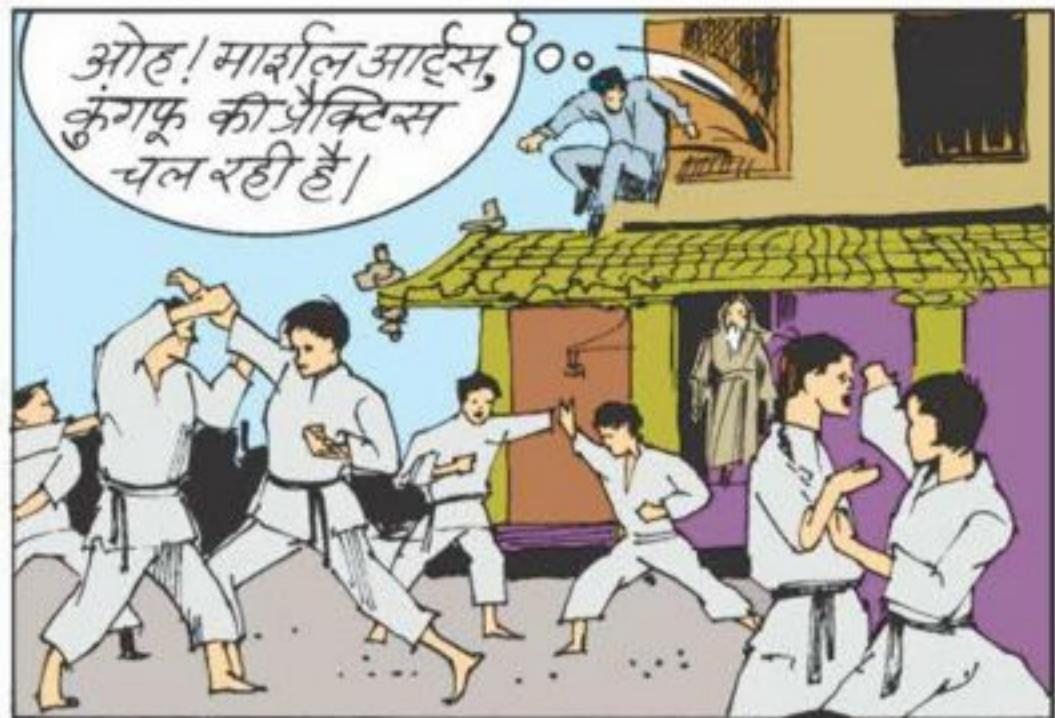


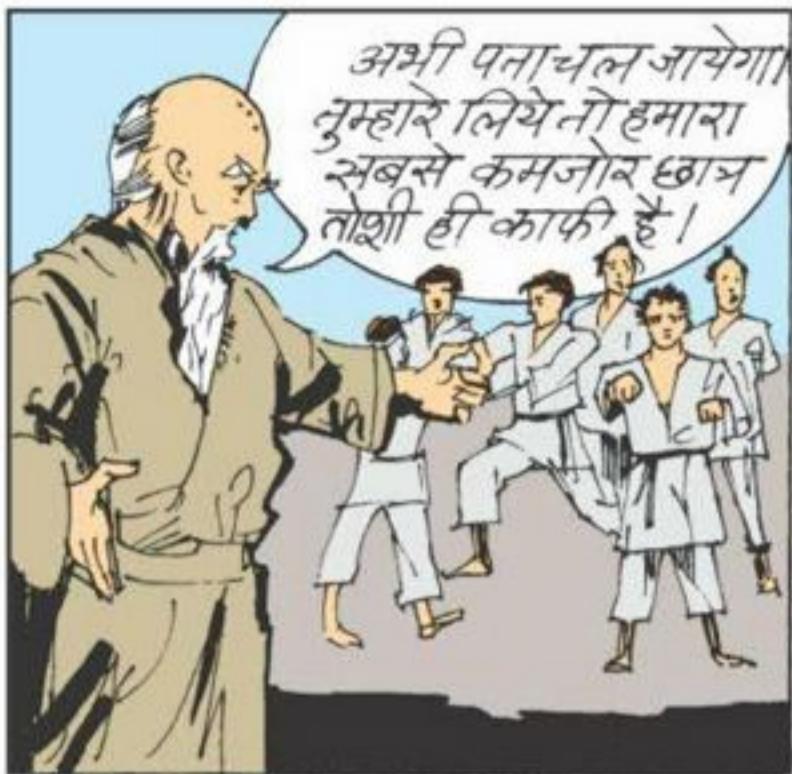
नागराज की हांगकांग यात्रा



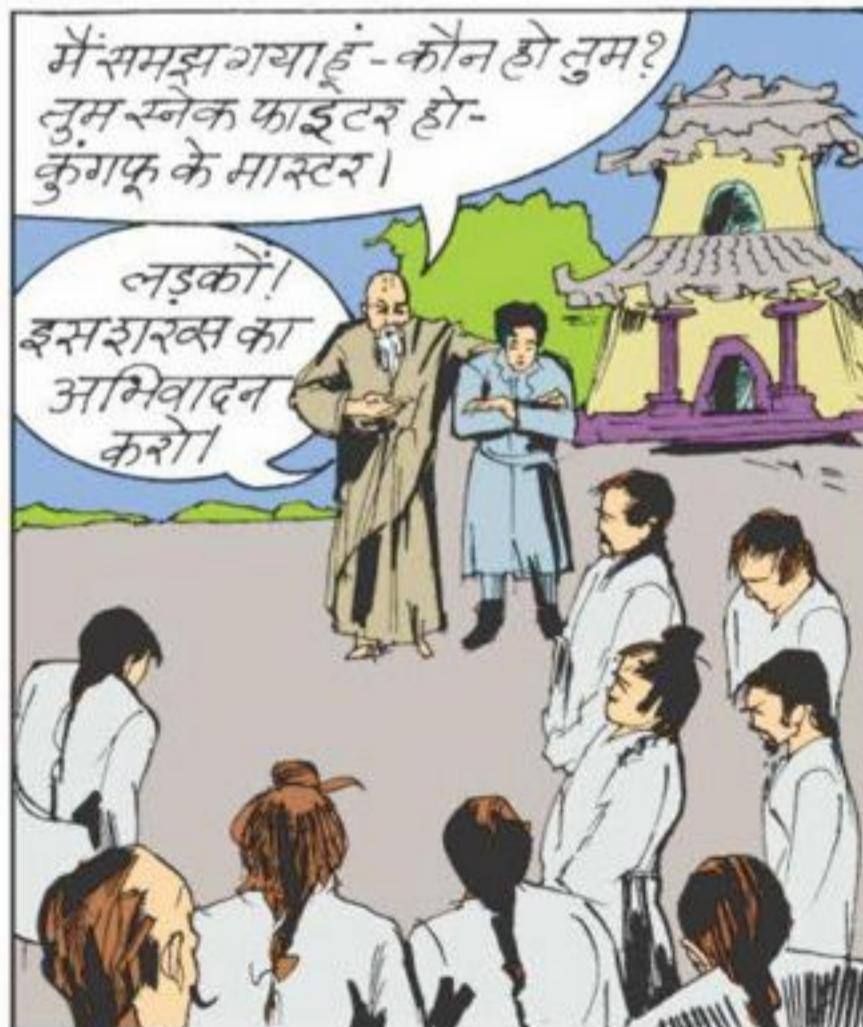
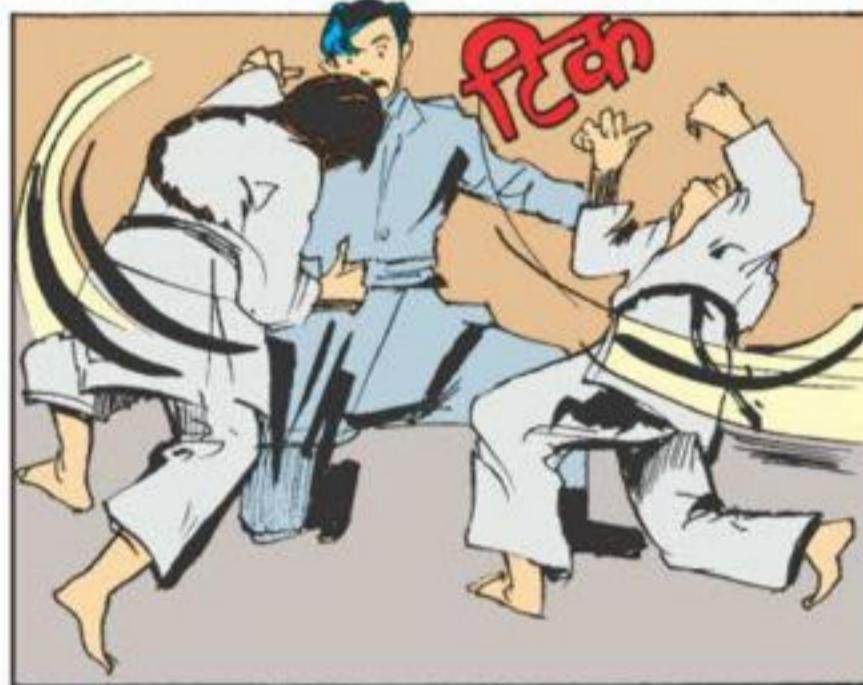
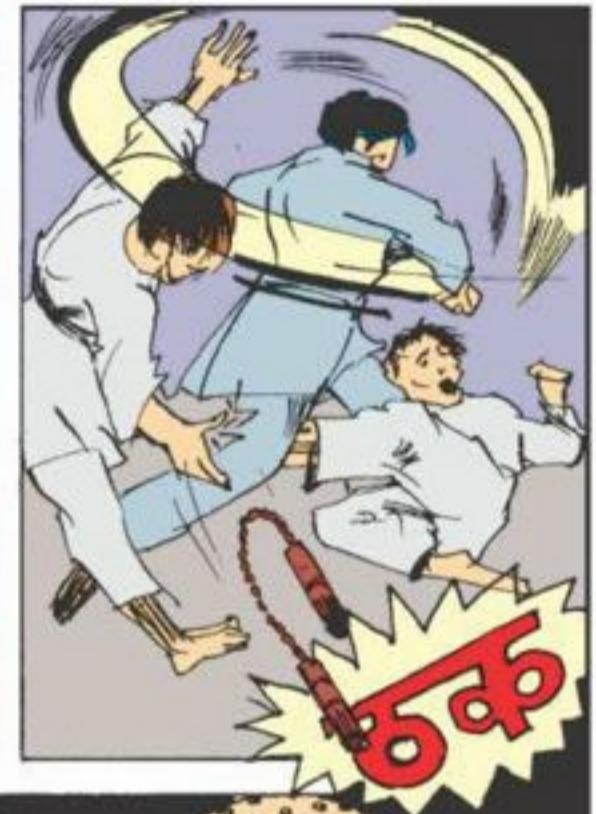
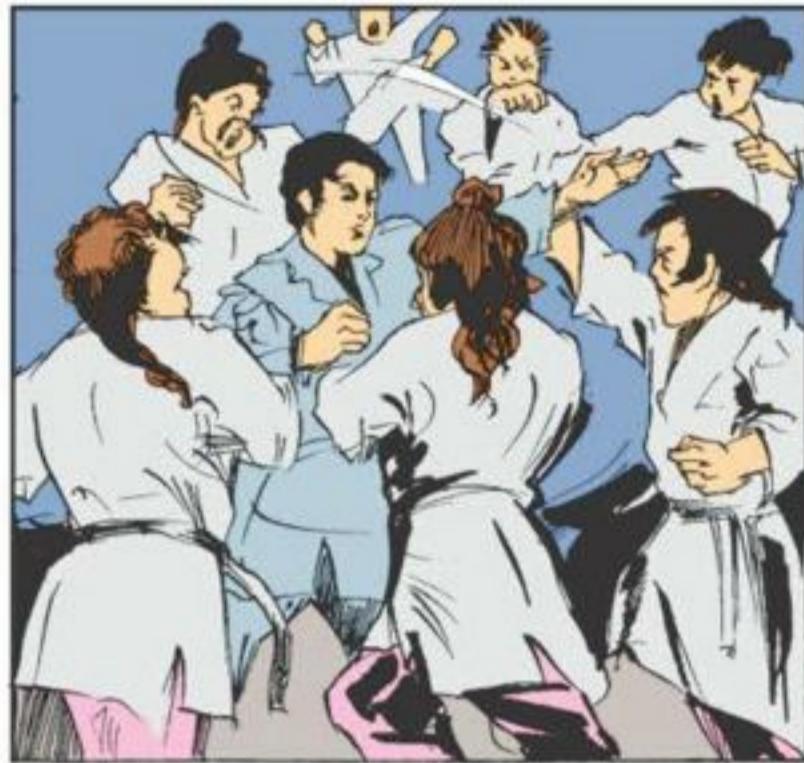
राज कॉमिक्स



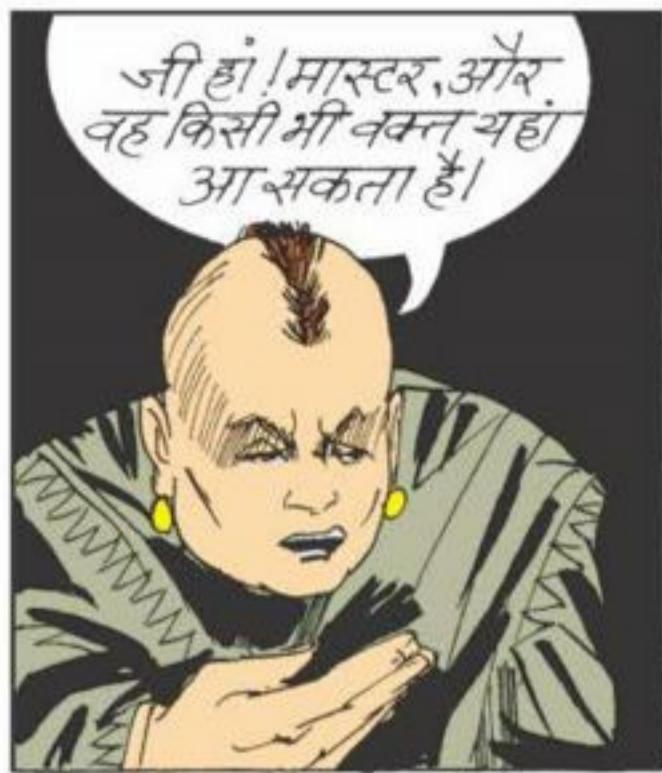




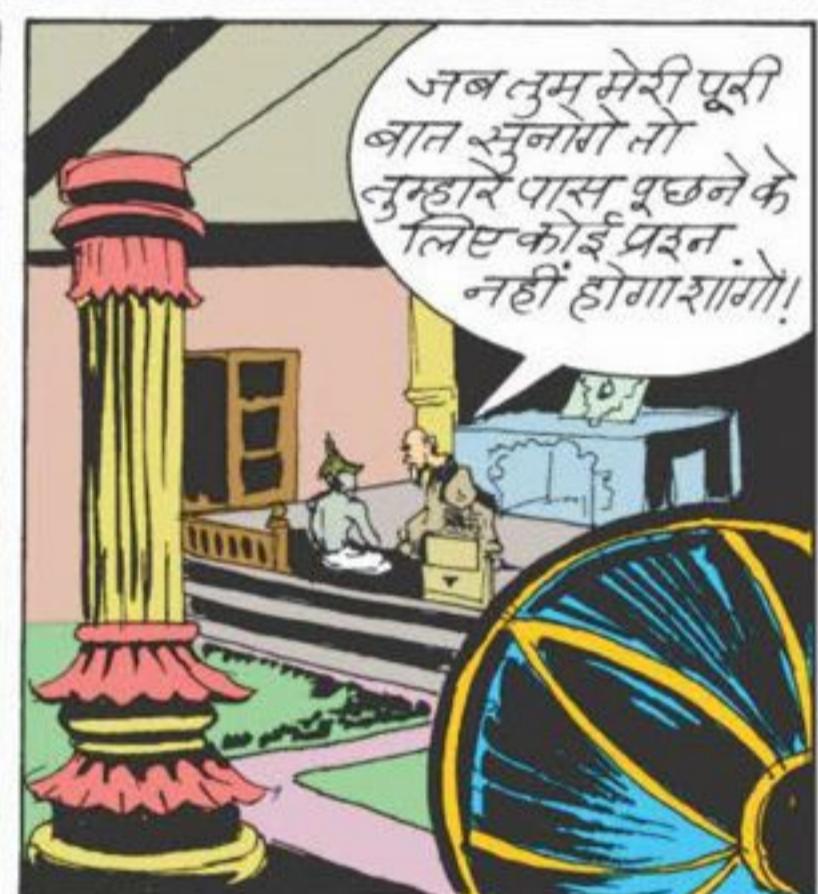
नागराज की हांगकांग यात्रा

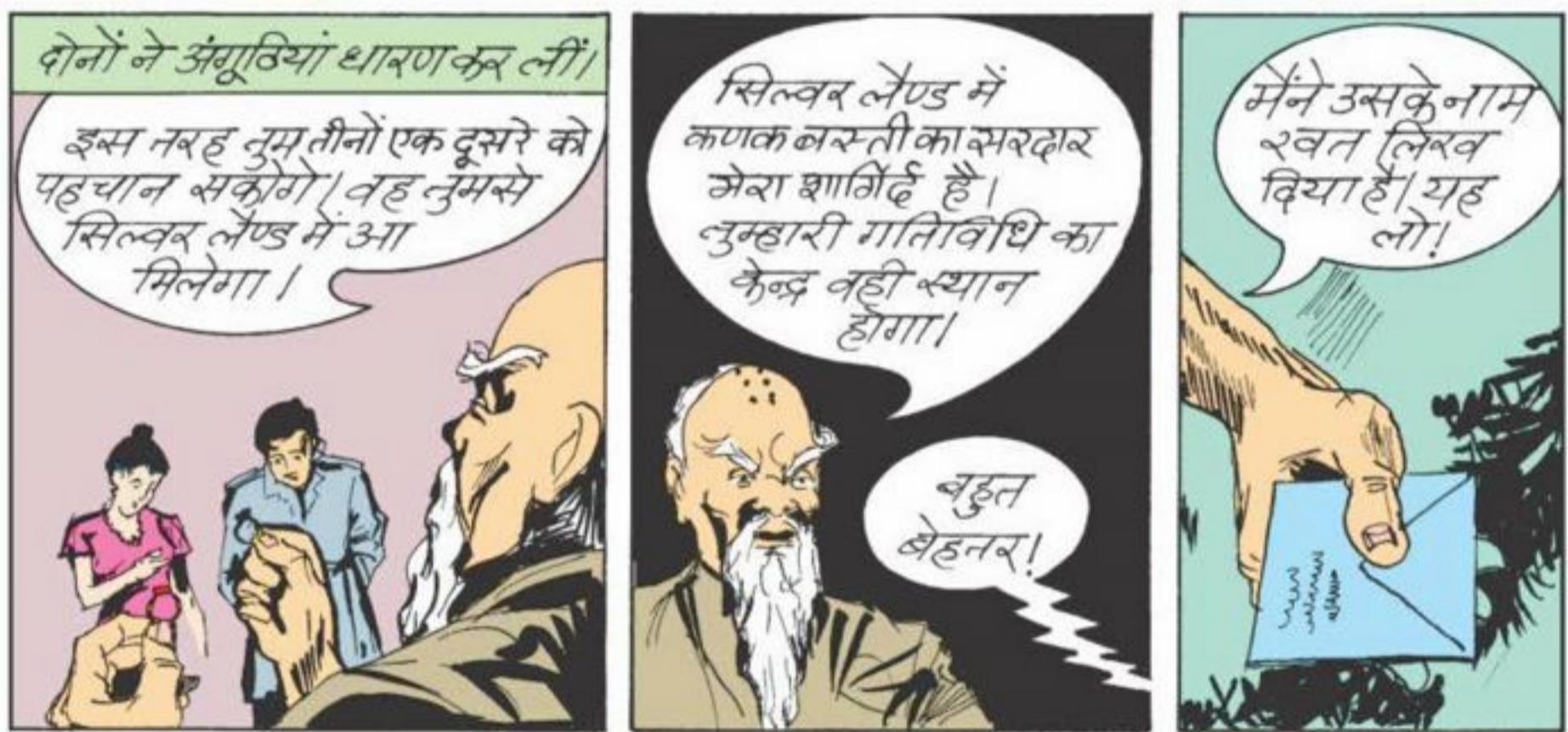


राज का भित्तिकस्त

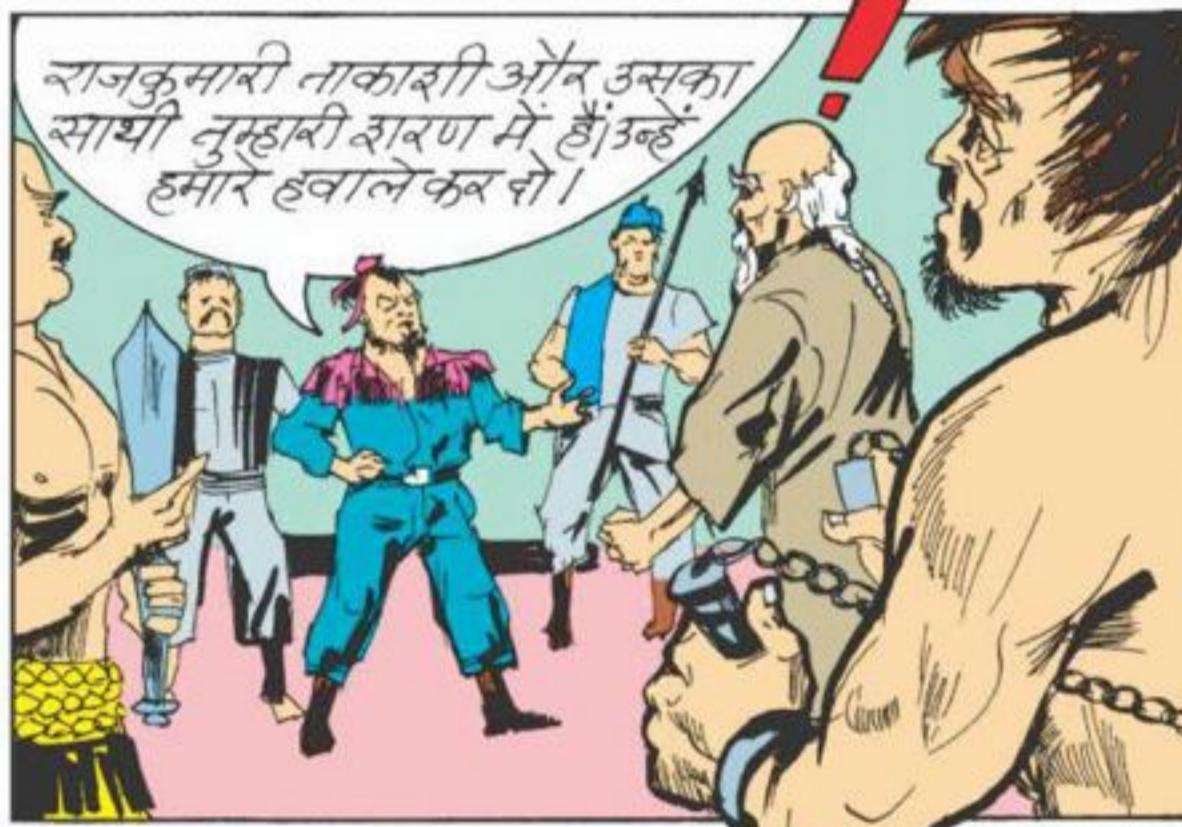
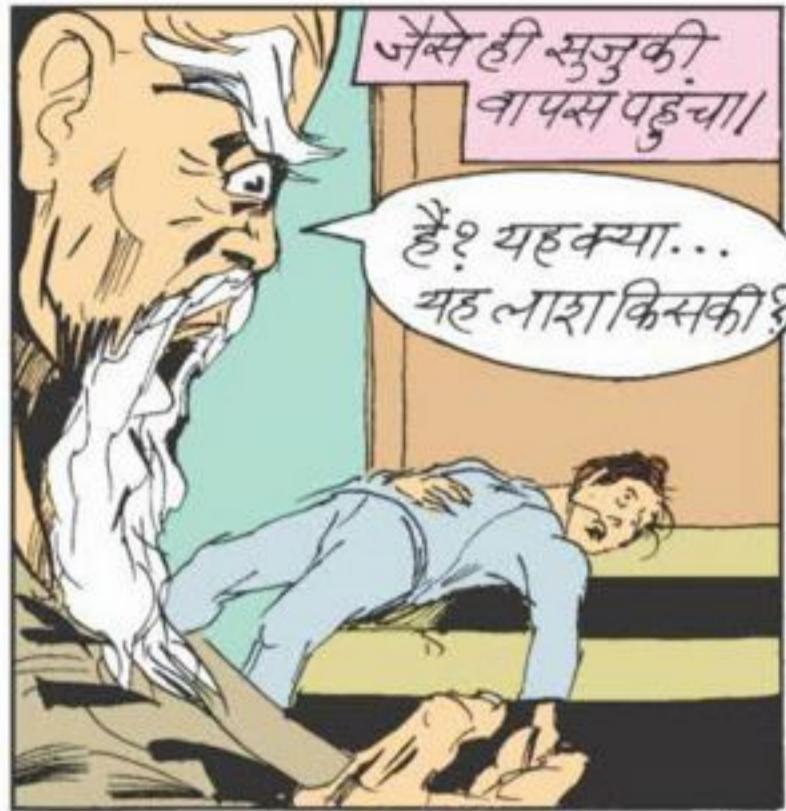


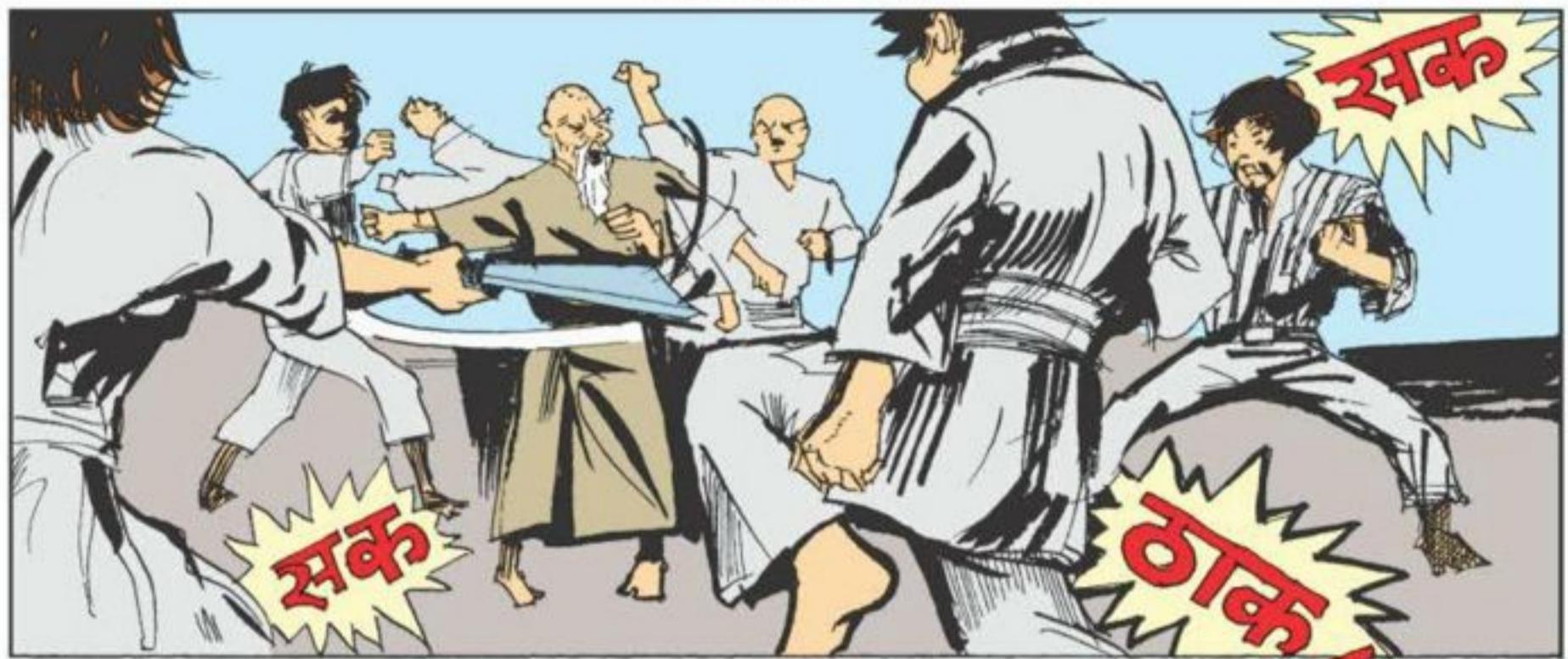
नागराज की हांगकांग यात्रा



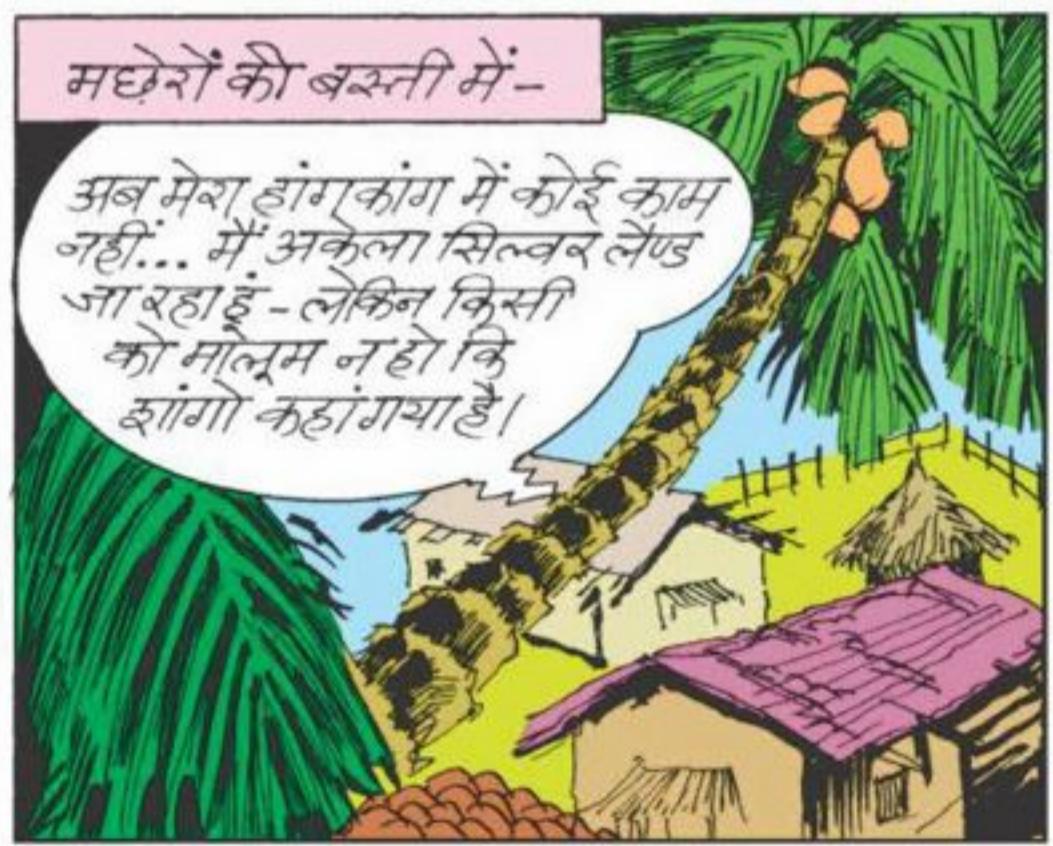


नागराज की हांगकांग यात्रा





नागराज की हांगकांग यात्रा



राज कॉमिक्स

चांगो के अड्डे पर-

क्या... वह नहीं मिले
और सुजुकी का कल्प कर
डाला... मूरबें तुमने सुजुकी
का कल्प क्यों किया?!
सुजुकी के चेले संसार-पर
में फैले हैं।

सुजुकी की मौत का समाचार सुनकर दुनिया भर के कुंगफू
मैन हांगकांग का रुख करेंगे और अंगर उन्हे मालूम हो

गया कि इसमें चांगो का
हाथ है तो अंजाम
बुरा होगा!



नागराज की हांगकांग यात्रा

अगले दिन एक वियावान जंगल में—

पारलाझों पेड़ों से लटकी हुई हैं और इनकी गार्दनों पर किसी दरिन्दे के दांतों के निशान हैं।

ऐसी एक दो घटना पहले भी घट चुकी हैं। नवून पीने वाला दारिन्दा... शैतान... उपर्युक्त.

चांगो के अड्डे पर—

जंबालू! तुम मेरे साथ सिल्वर लैण्ड चलने के लिए तैयार रहो।

ओ के बॉस!

मेरे विशेष साथियों! फिलहाल हम हांगकांग से छरवसत हो रहे हैं। यहां हमारे दुश्मनों की नादाद बहुत बढ़ती जारही है— सब लोग पलायन की व्यवस्था करें।

चांगो का शिप सिल्वर लैण्ड के लिए चल पड़ा—

उद्दर सिल्वर लैण्ड में—

चांगो से पहले मुझे सुनुकी के कानिलों से निपटना है।

दोस्त!

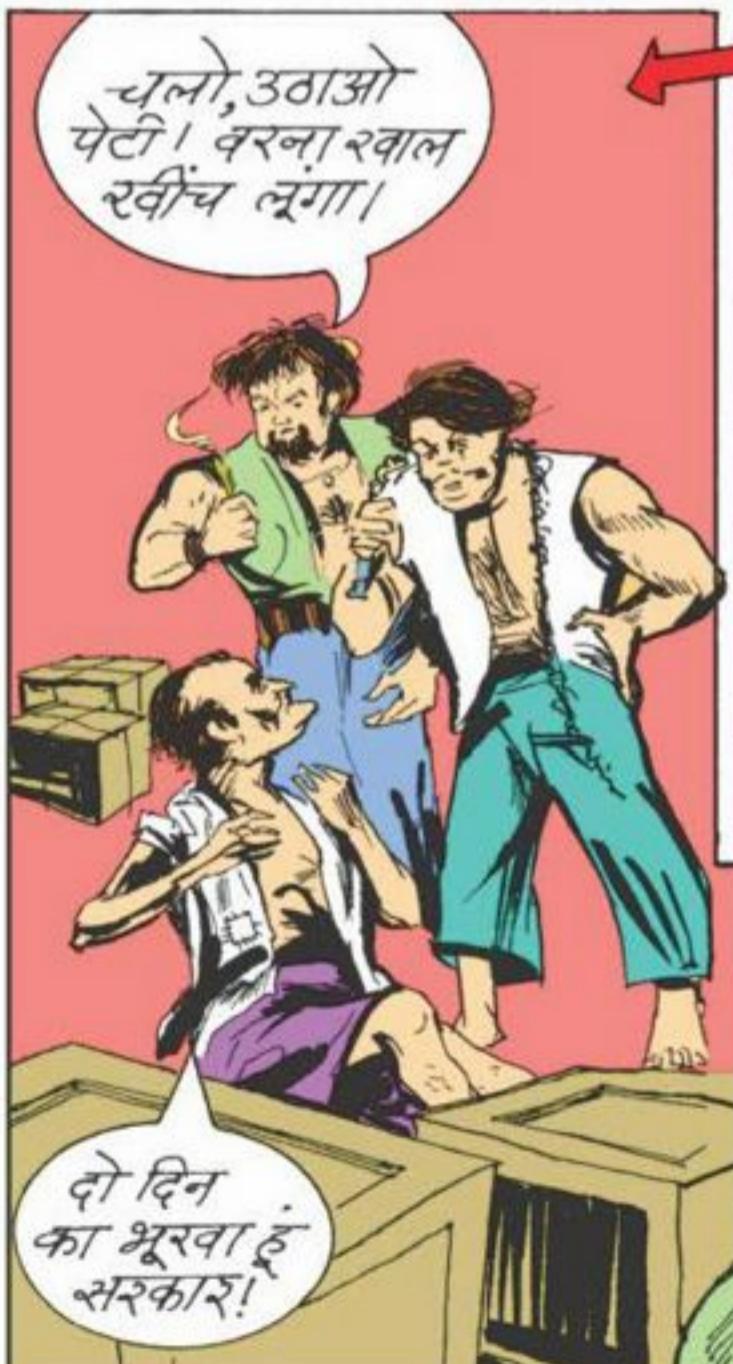
क्या तुम इस अंगूठी को पहचानते हो?

नहीं!

मैं ऐसी उंगूरी कभी नहीं देखी।

क्या तुमने यह अंगूठी कहीं देखी है?

मैं इसके सिर्फ बीस डॉलर देसकता हूँ।



रात के समय—

हमारा एक साथी
और मर गया...
धीरे-धीरे हम
भी मर जाएंगे।

ओर हमारी जगह
नये लोग आते
रहेंगे। फर्क क्या
पड़ता है।

हम लोग गुलाम
हैं और गुलामों का
यही जीवन होता
है।

तुम लोग यह सब
बदौश्ल कैसे कर
लेते हो?

लेकिन ऐसा है
क्यों? मेहनत के
बदले कोड़े
क्यों?

जब सेक्रान्टि हुई है
सबाटे नया राजा बना
है। पगार की जगह सिर्फ़
रोटी मिलती है, वह भी
भर पेट नहीं।

हर नया आदमी
तुम्हारी तरह जोश में
आता है, फिर कोड़े
पड़ते ही अकल ठिकाने
आजाती हैं।

जो मरा है, वह अपनी रोटियां
बचाकर अपने भूखे बच्चों को
देता था। कभी कभी दो-दो,
तीन-तीन दिन तक फाके
करता था। अब उसके
बच्चों का क्या
होगा?

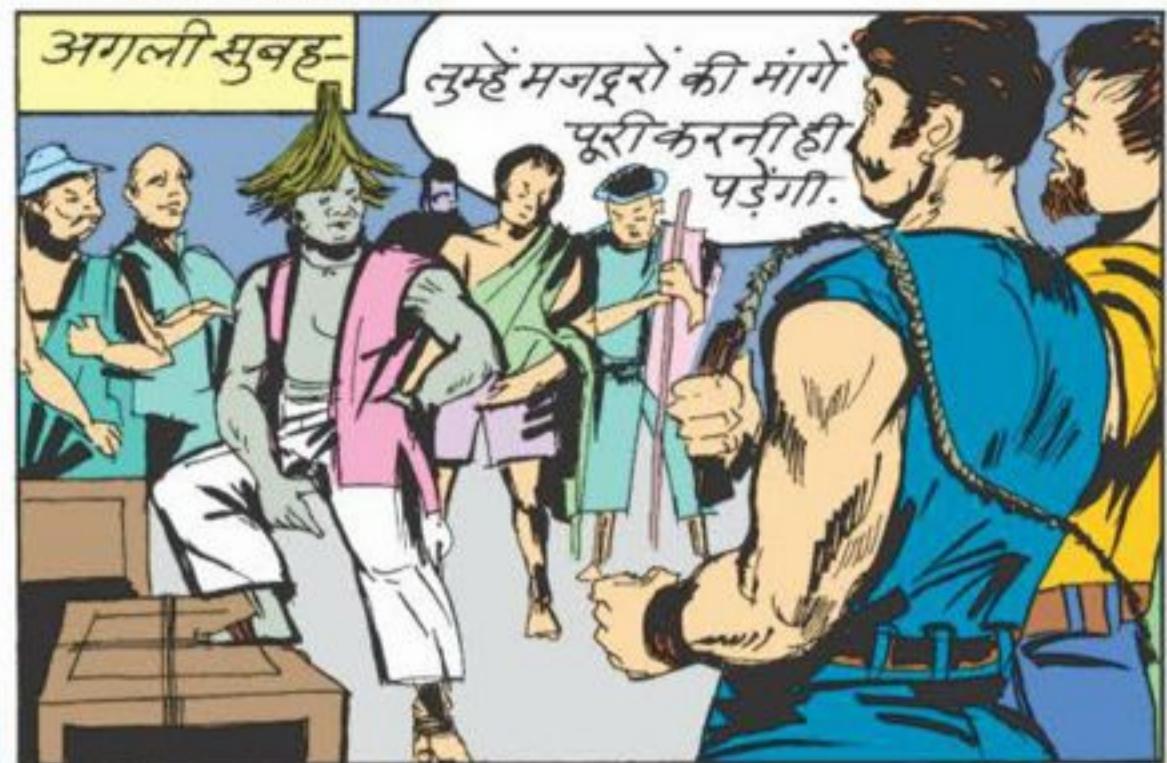
यह जुल्म है,
अन्याय है। पहले
पगार तय की जाएगी,
वरना काम नहीं
होगा।

नहीं- नहीं हम तुम्हारी
बातों में नहीं आसकते।

हमें
रोटी कौन
देगा?

कोड़ों से
कौन
बचाएगा?





नागराज की हांगकांग यात्रा







नागराज और शांगो

